दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 24.12.2021

प्रकाशनार्थ

सुशासन की संकल्पना को साकार करती सरकार की पारदर्शी नितियॉ– डॉ. सिंह

दिनांक 24 दिसंबर, 2021 गोरखपुर। ''वर्तमान सरकार की पारदर्शी नीतियां एवं सरकार के कार्यों में बढ़ती जन भागीदारी सुशासन की संकल्पना को साकार रूप प्रदान कर रही है। सरकार ने युवाओं के रोजगार हेतु सरकारी नौकरियों में विगत कुछ वर्षों से जो ईमानदारी और पारदर्शिता दिखाई है उसमें सुशासन की छवि परिलक्षित होती है।'' उक्त बातें दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में आयोजित सुशासन दिवस की पूर्व संध्या पर **सुशासन की संकल्पना एवं जन सहभागिता विषय पर** अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ शैलेश कुमार सिंह असिस्टेंट प्रो. विधि विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कही। डॉ सिंह ने सुशासन के साथ–साथ स्वशासन की संकल्पना पर भी बल दिया और कहा कि न तो लोकसभा न विधानसभा बल्कि ग्राम सभा, अर्थात स्थानीय शासन को ज्यादे महत्व मिलना चाहिए। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन से सुशासन को जोड़ते हुए कहा कि विकास की पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति का समग्र विकास होना ही सुशासन की अवधारणा को परिभाषित करता है। वर्तमान सरकार का सूत्रवाक्य, **'न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन'** में जन सहभागिता के महत्व को भी रेखांकित करते हुए ई–गवर्नेंस से आयी सरकार की नीतियों में पारदर्शिता, समयबद्धता, जवाबदेहित, उत्तरदायित्व जैसे विशिष्ट पक्षों पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने प्राचीन भारतीय परिप्रेक्ष्य में सुशासन की संकल्पना में गांधी का रामराज्य एवं स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में सुशासन को स्पष्ट करते हुए वर्तमान समय मे सरकार की क्रियात्मक पक्षों में आई पारदर्शिता पर प्रकाश डालते हुए सुशासन को स्मार्ट होने की बात की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री बाजपेई जी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि सड़के किसी राष्ट्र की भाग्यरेखा होती हैं इसके बिना उत्तम विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। इस क्रम में उन्होने उनकी सड़कों एवं नदियों को जोड़ने के विचार को उद्घाघटित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार श्री बाजपेयी के सपनो को साकार कर रही है।

स्वागत भाषण एवं विषय की प्रस्तावकि प्रस्तुत करते हुए विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश कुमार पांडे ने कहा कि सुशासन की संकल्पना हमारे लिए कोई नई संकल्पना नहीं है। यह हमारे मनीषियों के रामराज्य, गांधी के सुराज तथा कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलता है। हमारी वर्तमान सरकार प्रजा सुखे, सुखी राज्ञः की भावना से पारदर्शी और जन सहभागिता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ प्रियंका सिंह ने तथा आभार ज्ञापन डॉ अखिल कुमार श्रीवास्तव ने की डॉ शैलेश सिंह ने बैच लगाकर अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में डॉ. राम प्रसाद यादव, श्री विकास पाठक, श्री विवेक विवेकानंद शुक्ला, श्री पीयूष सिंह तथा समस्त छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. (शैलेश कुमार सिंह)
असि. प्रो.
राजनीति विज्ञान विभाग